

# **CBSE UGC NET**

## **NOV 2017**

### **PAPER III HINDI**

#### **ANSWER KEY**

#### **Contains answers of 75 questions**

This is the answer key of CBSE UGC NET exam held on November 5, 2017 for Paper 3, Hindi. Candidates who have appeared in the UGC NET Hindi exam can check Paper 3 Hindi answer key here to know answers of all 75 questions.

[www.prikshaguru.in](http://www.prikshaguru.in)

**Date of exam – 05  
Nov 2017**

**Conducted by  
Central Board of  
Secondary  
Education**

**THIS IS UNOFFICIAL  
ANSWER KEY OF CBSE  
UGC NET NOV 2017  
PAPER 3 HINDI**

Released after exam  
concluded on 05 Nov 2017

- ① सिद्धि प्राप्त करने हेतु स्त्री संशर्ग ② जायसी के शृंगार में शारीरिक पक्ष गौण - रामचंद्र गुबल  
 ③ कबीर के 'राम' रामानंद के राम से भिन्न हुए - रामचंद्र गुबल ④ विट्ठलदास - कांताभाव की अपासना  
 ⑤ सखिव बंदे गुरु... सुंदरकांड ⑥ ✖ ⑦ रीतिमुक्त - स्वानुभूति व स्वच्छंदता ⑧ सीधे सिखाई न मानाति है - उपालंभ  
 ⑨ घुसती है लाल लालमशाल सी - अंदेरे में ⑩ प्रियंवद - अदाप्यवीणा ⑪ मधुशाला 1935  
 ⑫ भारतेंदु ने द्विप्रकार जय शशा... रामचंद्र गुबल ⑬ खड़ी बोली का महाकाव्य - प्रियप्रवास  
 ⑭ प्रामाथ्यात्म की समस्या - अज्ञेय ⑮ अद्वितीय ओं अब तो युयुत्स की - मैथिलीशरण गुप्त  
 ⑯ हमें 'प्रयोगवादी' कहना... अज्ञेय ⑰ आधुनिक नारी अब अपनी पूरी देह गरिमा - कमलेश्वर  
 ⑱ सिद्ध अमलदारी - मय्यादास की गाड़ी ⑲ ✖ ⑳ साहित्यकार की आस्था व अन्ध - महादेवीवर्मो  
 ⑳ जीवनी नहीं है - मेरी पत्नी और भविष्य ㉑ रेणु शरणार्थी समस्या - बुलख ㉒ दी बालुका पूर्ण कगारों  
 के बीच - पाणक्य ㉓ आठवां सर्ग ㉔ रस सूत्र - नाट्यशास्त्र ㉕ बिना कारण के कार्य - विशावना अलंकार  
 ㉖ भाव-रस का अन्वय नहीं है ㉗ शक्ति-कव्यगुण नहीं है ㉘ काव्य की पूर्ण अनुभूति... रामचंद्र गुबल  
 ㉙ पौष्टिक्य - 26 अध्याय ㉚ मार्क्सवाद में राज्य & कानूनी ढांचे रहेंगे - गलत है ㉛ रैमंड विलियम्स  
 उत्तर संरचनावाद से related नहीं ㉜ पीर भरो जिय वीर धरै नहिं - दुःखार्तिरत्न ㉝ ~~उत्तरकांड~~  
 में कलियुग वहीन ㉞ स्नेह निर्झर बह गया - निराला ㉟ आवजयी - कठोपनिषद् ㊱ सूनी घाटी  
 का सूत्र - श्रीलाल शुक्ल ㊲ काम व रस का द्वंद्व - मानसकादंबर 02 चित्रलेखा ㊳ शब्द-अंदेरे में - बड़ी लटकी  
 ㊴ कारवाँ - भुवनेश्वरप्रसाद ㊵ कुतलयमला - राडलवेले - अक्रियव्यक्ति प्रकरण - कठोरनाकर  
 ㊶ पुहुपावती - चंद्र अवाधि - अनुराग बंसुरी - मुसफ मुलेखा ㊷ कीर्तिलता भक्तमाल दिताईवती चित्रावली  
 ㊸ इत्यलम दरीघास पर काण भर भोगन के पार द्वार कितनी नावों में... ㊹ प्रेममाधुरी श्रान्तपथिक  
 प्रियप्रवास मिलन ㊺ नीहार रश्मि नीला दीपाशिखा ㊻ शमशेर-प्रवासी - अज्ञेय - मुक्तिमेघ - भारतभूषण  
 ㊼ दो मैलों की कथा - बड़े भाई साहब - कफन - क्रिकेट मैच ㊽ माया कैवलय द्रौपदी सिंघवन खाली - रस और श्रेण  
 ㊾ प्रेमचंद और इनका युग, कामायनी रस पुनर्विचार, साहित्य व इतिहास दृष्टि, वाद विवाद संवाद  
 ㊿ कन्नूरी कुंजल कपौ, दयदो, रस कचनी यह भी और और और ㊿ भारतजननी, स्नेहमुद्र अंधाधुग आधेअधूरे  
 54 इन्द्रयालोक, कलाकृतिजीविते कविकंडाभरण साहित्यदर्पण 55 मार्क्स स्केल्स लेनिन माओ  
 48 आपका बेंडी चितको बरा शाबुली कडगुलाब [www.prikshaguru.in](http://www.prikshaguru.in)  
 64 राधाचेलन पद्ममावत श्रीदामा सुरदागर शबरी-मानस चंद्रा-चंद्रायन 67 वैराग्य संकीर्ण-बुलखी विरहमंजरी नंददास  
 उद्गात्री - नूर मीरिह देकरित-केशव 68 मधुमालती मंडन, राधापंचाध्यायी मंदकाव अक्षिप्रसाद-धनुर्जित, पेगलाखिा रसम  
 69 मिलन यात्रिणी-कचन, दिल्ली चिन्कर अपारमुद्रा अज्ञेय 70 लाला मदनमोहन-परीक्षाग्रह, नाट्यशिंध-नूतन ब्रह्मचारी  
 लाला प्रभावानदास - वामा शिखर 71 विष्णुप्रभाकर-सुगै-2900 ई माधुर-दशममंडन - लक्ष्मीनारायण शर्यमुख  
 साहनी - रंग दे बंगाली 72 दण्डी - काव्यादर्श, उद्भट - काव्यालंकारसंग्रह मम्मट काव्यप्रकाश जगन्नाथ स्वर्गाधर  
 73 मास्युर द फर्डिनेंड Course in General Linguistics लुक्च Studies in European Realism  
 र्लिन टेट - Tension in Poetry दार्ले फार्ल - Literature & Reality 74 तू है गगन विहरीण - रानेदी  
 जल उठा स्नेह दीपकसा - प्रसाद 75 - चंद्रमुद्र - अहमदाभान के लिए प्र मित्राची - दंडायत - भूमा का सुख और...  
 कर्नेलिया - मुझे इस देश से अपनी - पाणक्य - भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ